

दि. ३/१

... ..

12/21


पत्रावली प्रशासन गाँव के लोग इतिहास
हावावात में पैदा हुई लकील जार्जी व
पैरीवाल लखनऊ उपर पैरीवाल लखनऊ
में अपने जाल में नाम डरवा
करने का निवेदन किया है।

लकील जार्जी व पैरीवाल लखनऊ
की की लखनऊ हुनी गई। पत्रावली का
हावावात किया व लखनऊ का जनन
किया। मुलाकिक रिपोर्ट परकारी आपका
व र. म. न. नीरीक पापड़क व लखनऊ का
नांगलराजावताने की रिपोर्ट के आधार
पर वर्तमान जमाबंदी संवत् १७५०-५
के खाता सं. १८२ में प्रताप हुनू का
लखनऊ पर प्रसादी लाल हुनू लखनऊ का
शुद्ध किया जाना उचित प्रतीत होता है।

इसतः जार्जी जन का जार्जी पत्र १३६
एल एडवाट एनड लकील किया जाता है।
लया विकसित रीति खाता सं. १८२ के
हावावात लखनऊ नांगलराजावतान में
प्रताप हुनू लखनऊ लखनऊ पर प्रसादी
लाल हुनू लखनऊ लखनऊ के
इतिहास लखनऊ नांगलराजावतान

को दिए जाते हैं। हुनी हुनू राजावत
रिपोर्ट के हुनू की जावे।

पत्रावली के लखनऊ हुनू हुनू नंबर
के लखनऊ हुनू हुनू लखनऊ
लखनऊ प्रशासन गाँव के इतिहास हावावात
में हुनू का जमा।


सपखनू हुनू हुनू
एवं उपर उ नजस्ट्रेट
नांगल राजावतान (दौता)